

संदेश

प्रिय साधियों,



हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर मैं, आप सभी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर, मैं आप सभी को राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसका प्रयोग हमारे कार्य-स्थल पर बढ़ावा देने की अपील करता हूँ। हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है और यह भारतीय संस्कृति, इतिहास, और एकता का प्रतीक है। हमारे द्वारा हिन्दी का प्रभावी ठंग से उपयोग करने से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सहज होती हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित होता है कि सभी लोग बिना किसी बाधा के सूचना प्राप्त कर सकें।

यह हमारे कामकाजी माहौल को भी सकारात्मक बनाता है और सभी कर्मचारियों को समान रूप से समझने और सहयोग देने का अवसर प्रदान करता है। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि हिन्दी को अपने रोजमर्रा के कार्यों में प्राथमिकता दें। इसे कार्यालय की बैठकें, पत्राचार तथा संचार के सभी रूपों में अपनाएं। इससे हम सभी एकजुट होकर हमारी राजभाषा को संजोए रख सकते हैं और इसके माध्यम से अपने कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

आइए, आज हम सब मिलकर संकल्प लें कि हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर राजभाषा नीति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हुए निम्नलिखित कार्यों को अनिवार्य रूप से हिन्दी में करेंगे।

- हिन्दी में बातचीत और बैठकों में भी हिन्दी में चर्चा करें।
- सभी व्यक्तिगत दावों को हिन्दी में करें।
- हिन्दी में प्राप्त पत्रों / ईमेल का उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी में दें।
- नोटिंग / टिप्पणी हिन्दी में लिखें।
- हिन्दी पत्राचार बढ़ाएं और हिन्दी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाएं।
- हिन्दी के छोटे-छोटे शब्दों का प्रयोग करें।
- गेस्ट हाउस एवं वाहन की बूकिंग के लिए ईमेल अनिवार्य रूप से हिन्दी में करें।
- रजिस्टरों में प्रविष्टियाँ हिन्दी में करें।
- कार्यालयीन यात्रा हेतु टीआई फॉर्म हिन्दी में ही भरें।

जय हिन्द !

अपालमंडल/धुरी
[अधीप नाथ पालचौधरी]

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक